



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राप्तिकारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 276] नई दिल्ली, शनिवार, 9 अगस्त, 1969/श्रावण 18, 1891

No. 276] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1969/SRAVANA 18, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August 1969

S.O. 3215.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Grain, Rice and Oilseeds Merchants' Association, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 10th August, 1969 upto the 9th August, 1970, both days inclusive, in respect of forward contracts in groundnut kernels.

2. The recognition hereby granted is subject to the conditions that the said Association shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(9)-I.T./69.]

G. P. PANDEY, Jt. Secy.

श्रीयोगिक विकास, आप्तिरिक ब्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय  
(प्राप्तिरिक ब्यापार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त 1969

क्रा० आ० 3216.—केन्द्रीय सरकार, अप्र०, चावल और तिलहन ब्यापारी संगम, मुख्य द्वारा मान्यता के पुनर्जीवीकरण के लिए अग्रिम संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना ब्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उक्त संगम को, मूँगफली के दाने की अग्रिम संविदाओं की बाबत, 10 अगस्त, 1969 से लेकर 9 अगस्त, 1970 तक जिसमें दोनों दिन सम्मिलित हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का अनुपालन करेगा।

[संख्या-12-(9) आई०टी/69]  
गिरिजा प्रसाद पाठ्डे, संपूर्ण सचिव।